Raj Express (Indore), 1st June 2026, Page- 04

मेहमान

युवा संगम चरण-6 के प्रतिभागियों ने पांचवें दिन स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, भाषाई विरासत और ग्रामीण जीवन का अनुभव

झारखंड के युवाओं ने सीखा योग, लगाए पौधे, समझी 5 जी तकनीक

इंदौर / राज न्यूज नेटवर्क

भारत सरकार की एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) पहल के अंतर्गत आईआईटी इंदौर में आयोजित युवा संगम चरण-6 में सहभागिता कर रहे झारखंड के युवा प्रतिनिधियों ने पांचवें दिन स्वास्थ्य, पर्यावरण जागरूकता, भाषाई विविधता और सामुदायिक सहभागिता को समर्पित विविध गतिविधियों में भाग लिया। इस दौरान युवाओं ने योग सीखा, पर्यावरण संरक्षण के प्रति दायित्व निभाते हुए पौधे लगाए और 5 जी तकनीक समझी। दिन की शुरुआत ध्यान व योग सत्र से हुई, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों के शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और आंतरिक सामंजस्य को बढ़ावा देना रहा। इस सत्र ने युवाओं को समग्र स्वास्थ्य पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया और भारतीय संस्कृति व जीवनशैली में योग के महत्व को रेखांकित किया।

श्रमदान, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता

इसके बाद, प्रतिभागियों ने श्रमदान गतिविधि में भाग लिया, जिसने उनमें नागरिक उत्तरदायित्व, सामुदायिक सहभागिता और जनसेवा की भावना को सुदृढ़ किया। इस गतिविधि के माध्यम से प्रतिभागियों को स्वच्छता, पर्यावरणीय स्वास्थ्य व सतत और स्वस्थ समाज के निर्माण में सामूहिक प्रयासों के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत आईआईटी इंदौर में भारतीय भाषा कार्यशाला का ऑनलाइन आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) के डॉ. पंकज द्विवेदी ने भारत की समृद्ध बहुभाषिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान व राष्ट्रीय एकता के संरक्षण में भारतीय भाषाओं की भूमिका पर बात की। प्रतिभागियों को देश की भाषाई विविधता के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। आईआईटी इंदौर की डॉ. अनन्या घोषाल ने भारत की शास्त्रीय भाषाओं की अवधारणा, उनके ऐतिहासिक महत्व, साहित्यिक परंपराओं और देश की बौद्धिक व सांस्कृतिक विरासत में उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा की।

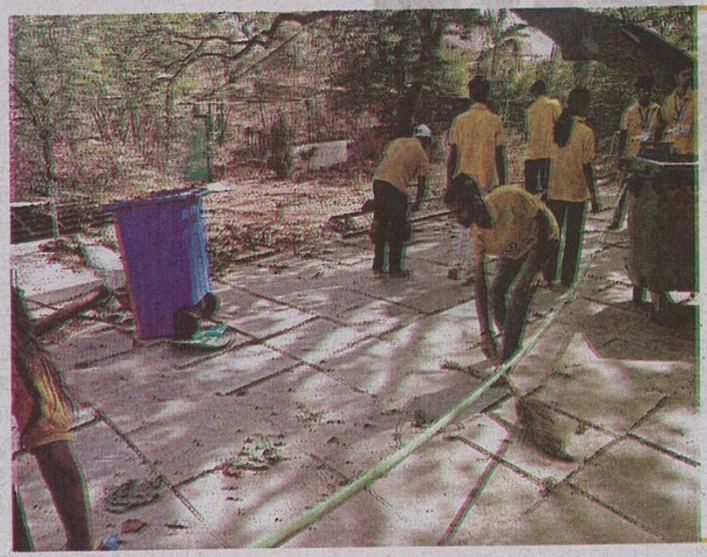

एलआरसी का भ्रमण

प्रतिभागियों ने आईआईटी इंदौर के विद्यार्जन संसाधन केंद्र (एलआरसी) का भ्रमण किया, जहां उन्होंने संस्थान के अत्याधुनिक पुस्तकालय, डिजिटल ज्ञान संसाधनों व आधुनिक शिक्षण सुविधाओं का अवलोकन किया। इसके बाद प्रतिभागियों ने आईआईटी इंदौर की 5 जी लैब का भी भ्रमण किया, जहां उन्हें अगली पीढ़ी की वायरलेस संचार तकनीकों और विभिन्न क्षेत्रों में उनके परिवर्तनकारी अनुप्रयोगों के बारे में जानकारी दी गई।

झारखंड व मप्र के युवाओं के बीच परस्तर संपर्क सुदृढ़

प्रतिभागियों ने लोकल बडीज इंटरैक्शन कार्यक्रम के अंतर्गत सिमरोल ग्राम का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामवासियों और पंचायत प्रतिनिधियों के साथ सार्थक संवाद स्थापित कर ग्रामीण प्रशासन, सामुदायिक जीवन, स्थानीय परंपराओं व क्षेत्र की सामाजिक-सांस्कृतिक संरचना को निकट से समझा। अनुभव को और अधिक जीवंत बनाते हुए प्रतिभागियों ने मध्य प्रदेश की जनजातीय संस्कृति की विशिष्ट पहचान भगोरिया लोक नृत्य का आनंद लिया। साथ ही उन्होंने मालवा क्षेत्र के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लेकर यहां की समृद्ध पाक-सांस्कृतिक विरासत का अनुभव प्राप्त किया।